nt>

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष जी, संविधान की समीक्षा कराने के बारे में सरकार ने जो निर्णय लिया है â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Thomas, I have already called Shri Ramdas Athawale. Please take your seat.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष जी, मेरा कहना यह है कि भारतीय संविधान में 395 आर्टिकल्स हैं। किसी भी आर्टिकल में सरकार को इस तरह से संविधान की समीक्षा कराने के लिए कमीशन बनाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इसलिए आप सरकार को आदेश दें कि इस कमीशन को बर्खास्त किया जाए। बाबा साहेब ने जो संविधान लिखा है उसकी समीक्षा कराने की कोई आवश्यकता नहीं है। â€¦(व्यवधान) अगर भारत के संविधान ने आपको अमेंडमेंट करने का प्रॉविजन दे दिया है तो फिर समीक्षा के लिए कमीशन की कोई आवश्यकता नहीं है। अगर कोई कमेटी बनानी है तो कमेटी बना सकते हैं। इसलिए आप सरकार को आदेश दीजिए कि इस कमीशन को बर्खास्त किया जाये। हम लोग जो बाबा साहेब अम्बेडकर जी को मानते हैं इस कमीशन की वजह से बहुत नाराज हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This will not go on record.

*(Interruptions) **

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, this is too much. Please take your seat.

Is there any reply from the Government on the issue of Public Distribution System?

...(*Interruptions*)

उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री शांता कुमार) : अध्यक्ष जी, विपक्ष के माननीय सदस्यों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्यान्न के बारे में चर्चा की। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि बजट में इस संबंध में जो भी प्रावधान हुए हैं उनके संबंध में आपको भी और हमें भी बहुत कुछ कहना है लेकिन बजट पर चर्चा तो होने दीजिए। एक प्रदेश का सवाल नहीं है, बल्कि पूरी व्यवस्था का सवाल है, पूरे फूड डिस्ट्रीब्यूशन का सवाल है। इस पर जो भी निर्णय इस बार सरकार ने किये हैं वे उचित और ठीक निर्णय हैं, गरीब के हित में हैं। अध्यक्ष महोदय, यह पहला मौका है जब ऐसा हुआ है। आप किसी र्वा का कोई बजट बता दीजिए जब इस देश के 33 करोड़ गरीब लोगों को 2200 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता दी गयी है। पहली बार इस साल के बजट में दी गयी है। बजट पर पूरी चर्चा शुरू कीजिए, हमें भी कहना है, हम अपनी बात आपको समझायेंगे। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what the Minister says.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Now, Shri Punnu Lal Mohale.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except hon. Member's speech.

*(Interruptions)**

----

*Not recorded

MR. SPEAKER: Shri Mohale, please raise your matter.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You can raise all these things at the time of discussion of the Budget.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is this sort of attitude? You are not allowing other Members to speak.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except the hon. Member's speech.

*(Interruptions)**